



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	12. 8. 23	2	4-6

### HAU for joint research with Poland varsity

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, AUGUST 11

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University and Warsaw University, Poland, will collaborate in education and research fields. For this, an agreement has been signed between the two universities.

These universities will pro-

mote joint research, internship and training programmes for biotechnology application in the field of precision agriculture, academic exchange of students and researchers, etc.

The HAU Vice-Chancellor, Prof BR Kamboj, and the Dean College of Basic Sciences and Humanities of the University, Dr Neeraj

Kumar, who are currently at Warsaw University, Poland, for establishing mutual cooperation for academic and research pursuits between the above two universities, had a detailed discussion with the Rector of the university, Prof Alojzy Z Nowak, on this topic. Representatives of the departments were also present.



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	12. 8. 23	5	1

### HAU signs pact with Warsaw university

**Hisar:** Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar, and Warsaw University, Poland, will cooperate with each other in education and research fields. For this, an agreement has been signed between the two universities, under which the two varsities will promote joint research, internship and training programmes for biotechnology application in the field of precision agriculture and academic exchange of students.



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१८५ ज१७।२७।	१२-८-२३	५	१-३

### हकृति और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व शोध में देंगे सहयोग : प्रो. बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसा विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्ट्रीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुपयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान के लिए सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के



समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते प्रो. काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक।

#### विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ : काम्बोज

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हकृति शैक्षणिक गतिशीलता के लिए आनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटरनेशनल और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों

की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई सतरों पर वारसा विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसा विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस वार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पजाइल लोक संपर्क कार्यालय	12-8-23	4	4-6

### हक्की और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

हिसार, 11 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसौ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, सटीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटर्नशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे।

उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के



समझौता-ज्ञापन का आदान-प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व प्रो. अलोजी जैड नोवाक।

अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसौ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रैक्टर प्रो. अलोजी जैड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस बाती में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो.

बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हक्की शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसौ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१६ भारत	१२.८.२३	७	१-५

## पोलैंड में एचएयू के वीसी और वारसॉ यूनिवर्सिटी के रेक्टर के बीच हुई बातचीत हक्किंग और वारसॉ विवि पोलैंड के बीच एमओयू

भारत न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करें। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए, इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को चढ़ावा देंगे। दोनों विवि के बीच

शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और इस विवि के मैलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार इन दिनों वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर बातचीत की। इस बार्ता में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने

कहा कि एचएयू शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटरशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। वारसॉ विवि के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने कहा कि हम अनुसंधान और उपेशात्मक बारे में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इससे जहां वारसॉ विश्वविद्यालय के छात्रों को सुदूर पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति

और संस्थानों के कामकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहां हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है।

बैठक में उपस्थित लुकाज़ इनियाक ने कहा यह समझौता हमें कृषि, सूक्ष्म जीव विज्ञान और पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी में दोनों विश्वविद्यालयों की जानकारी का उपयोग करने का अवसर देगा। उन्होंने कहा वारसॉ विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय में किए गए कुछ शोधों का कृषि क्षेत्र में अनुप्रयोग की बहुत समावनाएँ हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्युक्त जाता	12-8-23	५	५-७

### एचएयू-पोलैंड के वारसॉ विवि में शिक्षा-अनुसंधान के लिए एमओयू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और वारसॉ विश्वविद्यालय पोलैंड अब शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है, जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग

के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे।

वारसॉ विवि के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इस मौके पर एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज, डॉ. नीरज मौजूद रहे। संवाद



एचएयू में मौजूद प्रो. कांबोज व अन्य। ज्ञान: विवि



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

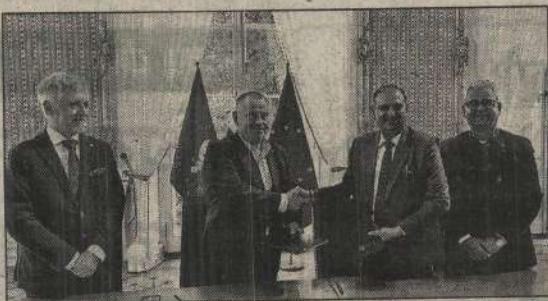
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि भूमि	१२-४-२३	९	२-६

## हकूमि और पोलैंड के वारसो विवि शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हुआ एक समझौता

हरियाणा न्यूज || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसो विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्ट्रीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे।

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग



हिसार। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक।

**विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाने**  
इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि ठकुवि शैक्षणिक नेतृत्वालयों के लिए ऑफिशियल कार्यालयों के संचालन या उनमें भाग लेने, हांटेशिप और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई रस्ते पर वारसो विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

**ज्ञान और अनुभव को करेंगे साझा**  
वारसो विश्वविद्यालय के रेवटर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशालय के नेतृत्व में मारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। हस्ते जहाँ वारसो विश्वविद्यालय के छात्रों को ऊँचा पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति और भौतिकीय के कानकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहाँ हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है।

स्थापित करने के उद्देश्य से हकूमि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मैलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसो विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेवटर प्रो. अलोजी

जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की।

इस वार्ता में वहाँ के जीव विज्ञान विभाग,

माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक जीव

विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी पर्यावरण

उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

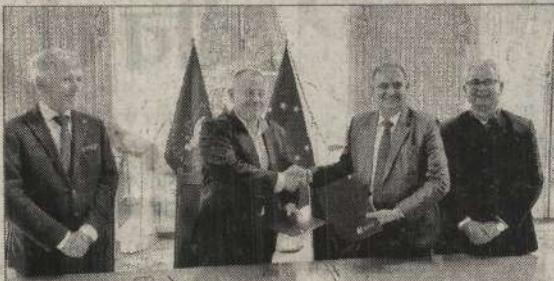
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सभ मट्ट	१२-४-२३	५	५-४

वारसो विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत होगा उपयोगी सिद्ध

# हकूमि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग: प्रो. कम्बोज

हिसार। (सच कहूँ/ श्याम सुन्दर सरदाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसो विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेगे।

इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ाव देंगे। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित



समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक

करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जोकि इन दिनों वारसो कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने इस विश्वविद्यालय के मैलिक विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय

### विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकूमि शैक्षणिक गतिशीलता के लिए ऑनलाइन कक्षाओं के सचालन या उनमें भाग लेने, इंटरनेशन और प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा सचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई स्तरों पर वारसो विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। वारसो विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि हम अनुसंधान और उपदेशात्मक संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं। इससे जहां वारसो विश्वविद्यालय के छानों को सुदूर पूर्व के देशों के इतिहास, संस्कृति और संस्थानों के कामकाज के बारे में जानने का अवसर मिलेगा वहां हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे। इस दिशा में यह सहयोग समझौता पहला कदम है।

पर विस्तार से बातचीत की। इस प्रौद्योगिकी विभाग और आणविक वारा में वहां के जीव विज्ञान विभाग, जीव विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि भी पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव उपरिषत रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उम्मीद समाज	१२-८-२३	५	१-३

### कृषि और पॉलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज



समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व प्रो. अलोजी जेड नोवाक।

हिसार, 11 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसौं विश्वविद्यालय, पॉलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। उपरोक्त

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज और इस विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार जोकि इन दिनों वारसौं विश्वविद्यालय, पॉलैंड में हैं, ने विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. अलोजी जेड नोवाक से इस विषय पर विस्तार से बातचीत की। इस बाती में वहां के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉलम
सिटी पल्स	11.08.2023	--	--

# हक्की और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग: प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और वारसा विश्वविद्यालय, पोलैंड शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत ये विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान, स्ट्रीक कृषि के क्षेत्र में औब ग्रौथोगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के अकादमिक आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देंगे। उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान हेतु सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज और डॉ. नीरज



कुमार जोकि इन दिनों वारसा विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने इस विषय पर असत्योत्तर की।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हक्की शैक्षणिक गतिशीलता के लिए औन्नलड़न कक्षाओं के संचालन या उनमें भाग लेने, इंटरशिप और

प्रशिक्षण से लेकर वैज्ञानिकों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं तक कई सर्वों पर वारसा विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करना चाहता है। यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।





## बांधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनिक पाठक पक्ष	11.08.2023	--	--

# हकूमि और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग: प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपत्र नं०५

हिसार, 11 अगस्त : चौथी  
वर्ष मिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय और वारस्त  
विश्वविद्यालय, पोलैंड निम्न व  
अनुसंधान दोनों में परस्पर एक दूसरे  
का सहयोग करेगे। इसके लिए दोनों  
विश्वविद्यालयों के बीच एक  
समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत दो  
विश्वविद्यालय संयुक्त अनुसंधान,  
सटीक कृषि के क्षेत्र में जैव  
जीवशिक्षिकी अनुसंधान के लिए  
इंटरविष्ट और प्रशिक्षण कार्यक्रमों,  
उत्पादों और जौधकर्ताओं के  
अन्तर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान आदि का  
बहुविध देंगे।

उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों  
के बीच जैविक और अनुसंधान हेतु  
सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य  
से चौथी बरण मिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.  
बी.आर. काम्बोज और इस  
विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक विभाग  
एवं मानविकी विश्वविद्यालय के  
अधिकारी डॉ. जैव कुमार जौधि  
जून दिनों वारस्त विश्वविद्यालय,



मानविकी-ज्ञान का आदान-प्रदान करने कुलपति डॉ. बी.आर. काम्बोज व डॉ. अलेक्जेंड्र नोवाक।

पोलैंड में है, ने विश्वविद्यालय के  
रेखटर डॉ. अलेक्जेंड्र नोवाक से  
इस विषय पर विस्तृत में वातावरण की  
की। इस बात में वहाँ के बीच विभाग  
विभाग, पर्यावरण मानवोंजीवीयोंकी,  
जैव जीवशिक्षिकी विभाग और  
आवायिक जैव विभाग विभाग के  
प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

वारस्त विश्वविद्यालय के  
रेखटर डॉ. अलेक्जेंड्र नोवाक ने  
इसका स्वागत करते हुए कहा कि  
हम अनुसंधान और उपरोक्षालयक  
संदर्भ में भारत के विश्वविद्यालयों  
के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं।

इसमें वहाँ वारस्त विश्वविद्यालय के  
दोनों को मुद्रा पूर्व के दोनों के  
द्वितीय, संस्कृत और जैवशास्त्रों के  
विभागों के बारे में जानने का  
अवसर प्रदान किया जाता है जिसके द्वारा  
और अनुभवों को भी एक दूसरे के  
साथ साझा कर सकते हैं। इस दिन  
में यह सहयोग समझौता पहला  
बढ़ाव है।

जैविक में उपस्थित सुकराज  
हुक्मनियाक ने कहा यह समझौता  
हमें जैव, मूल्य जैव विभाग और  
पर्यावरण जैव जीवशिक्षिकी में दोनों  
विश्वविद्यालयों की जानकारी का

### विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को होगा लाभ

इस अवसर पर कुलपति डॉ.  
बी.आर. काम्बोज ने कहा कि  
हकूमि वैज्ञानिक विभागों के  
लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के  
संवालन या उनमें भाग लेने,  
इंटरविष्ट और प्रशिक्षण से लेकर  
वैज्ञानिकों व यौवन दोनों द्वारा  
संवालित अनुसंधान

प्रतिवेदनों तक कई सारी पर  
वारस्त विश्वविद्यालय के माध्यम  
सहयोग करना चाहता है। यह  
सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के  
लिए बहुत उपयोगी बिंदु होगा।

उपरोक्त करने का अवसर देगा।  
उन्होंने कहा वारस्त विश्वविद्यालय  
के बीच विभाग संकाय में किए गए  
कुछ जौधों का कृषि क्षेत्र में  
अनुसंधान की चहन संभावनाएँ हैं।  
एक जैव विश्वविद्यालय के रूप  
में चौथी बरण मिंह हरियाणा  
कृषि विश्वविद्यालय हमें प्राचीरिक  
कृषि भूमि पर अनुसंधान करने में  
सहाय बनाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरत हरियाणा न्यूज	11.08.2023	--	--

### दोनों विश्वविद्यालयों के बीच कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए समझौता हुआ हृकृति और पोलैंड के विश्वविद्यालय शिक्षा व अनुसंधान में देंगे सहयोग : प्रो. कामोज

समस्त हरियाणा न्यूज  
हिसार, 11 अगस्त। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और पारंपरिक विभाग और विश्वविद्यालय, पोलैंड लिंगन व अनुसंधान संकायों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत प्रो. चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, संसुख अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरविज़न और प्रतिक्रिया कर्तव्यों और जैवपर्यावरणों के अकारीयक अदान-प्रदान आदि को बढ़ाव देंगे।

प्रार्थनीकी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आपाधिक बोर्ड विभाग विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित हैं।

विश्वविद्यालय, पोलैंड लिंगन व अनुसंधान संकायों विश्वविद्यालयों के बीच विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करने के लिए इंटरविज़न और प्रतिक्रिया कर्तव्यों और जैवपर्यावरणों के अकारीयक अदान-प्रदान आदि को बढ़ाव देंगे। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के लिए अनिवार्य कारबाही करने वाले तथा उनमें भाग लेने, इंटरविज़न के लिए बोर्ड विभाग के साथ सहयोग करने के लिए एक समझौता हुआ है। यह सहयोग दोनों सम्पर्क करने के लिए से जैवपर्यावरण सिद्ध होता है। वार्ता विश्वविद्यालय के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के बीच बोर्ड विभाग ने इसका विश्वविद्यालय के मौलिक विभाग एवं स्कॉल वाले हुए कहा कि हम अनुसंधान मानविकी विश्वविद्यालय के अधिकारी वर्ष और उपरोक्त संस्थान में भारत के गोरख कुमार जोकि इन दिनों वार्ता विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए विश्वविद्यालय, पोलैंड में हैं, ने लक्ष्य है। इससे जहाँ वार्ता विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के बोर्ड प्रो. अलेज़ी जेह के द्वारा को मुहूर पूर्व के देशों के नोवाक से इस विषय पर विस्तृत से इतिहास, संस्कृति और संस्थानों के बाबतीत को। इस घर्ता में बहाँ के जीव कामकाज के बारे में जानने का अवसर दिलेता है। वार्ता विभाग के जीव विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रो फिलोज़िश वहाँ हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ साझा कर जैव प्रौद्योगिकी में दोनों विश्वविद्यालयों अनुप्रयोग की बहुत संभावनाएँ हैं। एक नोटेंगे। इस दिन में यह सहयोग समझौता भी जानकारी का उपयोग करने का कृषि विश्वविद्यालय के भाग में जौधी वाला कदम है। बोर्ड में उपराजपत् तुकाजु अवसर देना। उन्होंने कहा वार्ता विभाग विश्वविद्यालय इतिहास के कहा यह समझौता हमें विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय में हमें जैवोंगिक कृषि भूमि पर अनुसंधान विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रो फिलोज़िश वहाँ हम अपने ज्ञान और अनुभवों को भूमि के लिए गए कुछ जोगों का कृषि केन्द्र में करने में सहाय बनाएगा।



को भी एक दूसरे के साथ साझा कर जैव प्रौद्योगिकी में दोनों विश्वविद्यालयों अनुप्रयोग की बहुत संभावनाएँ हैं। एक नोटेंगे। इस दिन में यह सहयोग समझौता भी जानकारी का उपयोग करने का कृषि विश्वविद्यालय के भाग में जौधी वाला कदम है। बोर्ड में उपराजपत् तुकाजु अवसर देना। उन्होंने कहा वार्ता विभाग विश्वविद्यालय इतिहास के कहा यह समझौता हमें विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय में हमें जैवोंगिक कृषि भूमि पर अनुसंधान विज्ञान विभाग, पर्यावरण माइक्रो फिलोज़िश वहाँ हम अपने ज्ञान और अनुभवों का कृषि केन्द्र में करने में सहाय बनाएगा।